



5

भोपाल, गुरुवार 3 सितम्बर 2015

प्रखर इलाक़ा



प्रधान संपादक : रविंद्र व्यास
संपादक : राजेश अग्निहोत्री

पेज-8, वर्ष -19, अंक -75, मूल्य 1 रु.

RNI-70052/1998

अंदाज बेबाक, खबर बेधड़क

6





राकेश अग्निहोत्री

सवाल दर सवाल

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को यादव के भोपाल लौटने का इंतज़ार है ऐसे में सोनिया गांधी के दौरे की अटकलों ने एक नई बहस जरूर छेड़ दी जो कांग्रेस की खस्ताहाल हालत, गुटबाजी, रणनीति का अभाव, नेतृत्व क्षमता कटघरे जैसे सवाल खड़े करती हैं। कांग्रेस को मालूम है कि इन उपचुनावों में यदि टीम शिवराज के आक्रामक प्रचार और प्रभावी प्रबंधन क्षमता को चुनौती देना है तो उसे कुछ नया करना होगा। इस योजना के तहत सोनिया गांधी को भरोसे में लेकर उन्हें उपचुनाव के लिए राजी करने के प्रयास किए गए। ज्यादा दिलचस्पी प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव और पार्टी की ओर से लोकसभा टिकट के स्वाभाविक और प्रबल दावेदार कांतिलाल भूरिया ने ली है। मोहन प्रकाश भी चाहते हैं कि उनके प्रदेश प्रभारी रहते कांग्रेस की जो भद जो अभी तक पिटी है उससे पार्टी को बाहर निकाला जाए।



अरुण यादव और कांतिलाल भूरिया रतलाम-झाबुआ लोकसभा उपचुनाव में सोनिया गांधी को दांव पर लगाने की तैयारी में लगे हैं। दिल्ली में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने प्रदेश प्रभारी मोहन प्रकाश के साथ सोनिया गांधी से मुलाकात की तो मध्यप्रदेश में ये? खबर फैली कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष आदिवासी बहुल क्षेत्र के इस उपचुनाव में एक सभा को संबोधित कर सकती हैं। देवास और मैहर में भी उपचुनाव होना है लेकिन प्रदेश नेतृत्व ने रतलाम-झाबुआ उपचुनाव में अपने गढ़ पर फिर कब्जा करने के लिए सारे विकल्प खोल दिए हैं जहां मोदी की लहर में पिछले चुनाव में बीजेपी ने कांग्रेस के कांतिलाल भूरिया को हराया था। सवाल उठना लाजमी है कि क्या राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते सोनिया गांधी उपचुनाव में दिलचस्पी लेंगी वो भी उस मध्यप्रदेश में जहां व्यापम के बवाल के बाद भी कांग्रेस की हार का सिलसिला लगातार जारी है? सवाल ये भी है कि प्रदेश नेतृत्व आखिर सोनिया गांधी को दांव पर क्यों लगा रहा है? क्या उसका प्रदेश नेतृत्व और

गिने-चुने नेता चुनाव जीते या राज्यसभा में हैं उनमें आपस में समन्वय का अभाव चर्चा का विषय बनता रहा। इसका खामियाजा प्रदेश कांग्रेस को भी भुगताना पड़ा जहां केंद्रीय नेताओं के समर्थक और उनके पट्टे शिवराज के सामने बौने साबित होते रहे हैं। निकाय चुनाव में सभी 16 नगर निगम में कांग्रेस का सुपड़ा साफ होने के साथ जब वो गरोठ विधानसभा का उपचुनाव भी हार गई तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव की नेतृत्व क्षमता पर पार्टी के अंदर ही सवाल खड़े होने लगे। ऐसे में जब रतलाम-झाबुआ के साथ देवास और मैहर का उपचुनाव होने जा रहा है तो यादव के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। पिछले दिनों यादव ने जब दिल्ली में सोनिया से मुलाकात की तो संकेत मिले कि करीब डेढ़ साल ही सही उन्हें अपनी टीम के गठन की हरी झंडी मिल जाएगी लेकिन इस बीच सोनिया गांधी की चुनावी सभा की खबर ज्यादा चर्चा में आई। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को यादव के भोपाल लौटने का इंतजार है ऐसे में सोनिया गांधी के दौरे की अटकलों ने एक नई बहस जरूर छेड़ दी जो कांग्रेस की खस्ताहाल हालत, गुटबाजी, रणनीति का अभाव, नेतृत्व क्षमता कटघरे जैसे सवाल खड़े करती हैं। कांग्रेस को मालूम है कि इन उपचुनावों में यदि टीम शिवराज के आक्रामक प्रचार और प्रभावी प्रबंधन क्षमता को चुनौती देना है तो उसे कुछ नया करना होगा। इस योजना के तहत सोनिया गांधी को भरोसे में लेकर उन्हें उपचुनाव के लिए राजी करने के प्रयास किए गए। ज्यादा दिलचस्पी प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव और पार्टी की ओर से लोकसभा टिकट के स्वाभाविक और प्रबल दावेदार कांतिलाल भूरिया ने ली है। मोहन प्रकाश भी चाहते हैं कि उनके प्रदेश प्रभारी रहते कांग्रेस की जो भद जो अभी तक पिटी है उससे पार्टी को बाहर निकाला जाए। इसके लिए कांग्रेस में सोनिया और राहुल ही विकल्प नेता तो सुबे की राजनीति के लिए भी कई दिग्गज नेता दिए हैं। जो राष्ट्रीय नेता हैं वो या तो मोदी की लहर में घर बैठ गए या फिर जो

को इंतजार है जिसने चुनाव आयोग के ऐलान से पहले सोनिया गांधी की रतलाम-झाबुआ में एक बड़ी सभा की रणनीति बनाई है। इन दिनों दिग्विजय सिंह पारिवारिक कारणों से विदेश दौरे पर हैं जो एक पखवाड़े बाद ही लौटेंगे। जबकि सांसद कमलनाथ युवा कांग्रेस के बैनरतले व्यापम के मुद्दे पर जबलपुर के बाद रोवा का रुख करने की तैयारी में हैं तो दूसरे सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया और महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा ओझा प्रदेश की प्रस्तावित दौरे की तारीख राजनीति में राहुल गांधी के साथ कदमताल कर रहे हैं। राज्यसभा सांसद विजयलक्ष्मी साधो का तो पता ही नहीं है, तो सुरेश पचौरी, सत्यव्रत चतुर्वेदी हों या फिर सत्यदेव कटारे को मानो हाईकमान के रुख का इंतजार रहता है। सोनिया गांधी के प्रस्तावित दौरे की तारीख पर प्रदेश नेतृत्व ऐलान से भले ही बच रहा हो लेकिन सवाल तो एक साथ कई खड़े हो गए हैं। सवाल ये है कि यदि कांग्रेस का भविष्य राहुल गांधी हैं तो सोनिया गांधी को उपचुनाव में दांव पर क्यों लगाया जा रहा है? हाल में बिहार में जनता दल के महागठबंधन के साथ उनके मंच साझा किया तो बतौर वक्ता उनके क्रम को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या प्रदेश के केंद्रीय नेता, क्षत्रप, प्रदेश नेतृत्व शिवराज से अपनी हार मान चुका है? ऐसे में यदि उसने आंतिम विकल्प सोनिया गांधी को चुना है तो इस बात की क्या पार्टी है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के आने से कांग्रेस रतलाम-झाबुआ लोकसभा का उपचुनाव जीत लेगी? यदि इसके बाद भी हार मिलती तो सोनिया गांधी के नेतृत्व पर सवाल खड़े नहीं होंगे? सवाल ये भी है कि क्या राहुल गांधी ने प्रदेश नेतृत्व को उपचुनाव में प्रचार से साफ इनकार कर दिया है जो मजबूरी का नाम सोनिया गांधी बन गई हैं। सवाल ये भी खड़ा होता है कि क्षेत्र में खुद को बड़ा आदिवासी नेता मानने वाले और लगातार 5 चुनाव जीतने वाले कांतिलाल भूरिया पिछले लोकसभा चुनाव में मिली हार के सदमे से अब तक उबर नहीं पाए हैं? बड़ा सवाल ये है कि क्या शिवराज का खौफ प्रदेश कांग्रेस को इस कदर सता रहा है कि उन्हें उपचुनाव के लिए दस जनपथ पर दस्तक देकर हस्तक्षेप के लिए गृह्यार लगाया पड़ी है? ऐसे में फिर भी सोनिया गांधी यदि मध्यप्रदेश का रुख करती हैं तो क्या वो कार्यकर्ताओं की उम्मीदों पर खरा उतर पाएंगी?

सबरजीत और राजेन्द्र को डीजी का वेतनमान

भोपाल। राज्य शासन द्वारा आवंटित वर्ष 1985 के भारतीय पुलिस सेवा के दो अधिकारी राजेन्द्र कुमार और सबरजीत सिंह को भारतीय पुलिस सेवा के अधिसमय वेतनमान से उपर के वेतनमान में महानिदेशक के वेतनमान में पदोन्नति किया है। इसके साथ ही इन अफसरों की नवीन पदस्थापना भी की गई है। बुधवार को जारी आदेश के अनुसार राजेन्द्र कुमार अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण पुम भोपाल को विशेष पुलिस महानिदेशक राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल पुलिस मुख्यालय भोपाल तथा सरबजीत सिंह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुप्तवातां पुम भोपाल को विशेष पुलिस महानिदेशक गुप्तवातां पुम भोपाल पदस्थ किया गया है। इसी तरह 1983 बैच की आईपीएस श्रीमती रीना मिश्रा विशेष पुलिस महानिदेशक महिला अपराध व अजाक पुम भोपाल को विशेष पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण पुम भोपाल पदस्थ किया गया है।

डेढ़ दर्जन उप पुलिस अधीक्षकों के तबादले

भोपाल। राज्य शासन ने राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के उप पुलिस अधीक्षक स्तर के डेढ़ दर्जन अधिकारियों के तबादले किए हैं। बुधवार को जारी आदेश के अनुसार विक्रम सिंह नपुअ पीथमपुर को धार, विजय शंकर द्विवेदी धार को भोपाल, देवेन्द्र कुमार तिवारी उपुअ पुम भोपाल को नपुअ पीथमपुर, नेपालसिंह दामले का पूर्व में किया गया स्थानांतरण एसडीओपी बैरसिया से बाड़ी को संशोधित करते हुए उपुअ पुम भोपाल, ओंकारनाथ टंडन उपुअ अजाक रायसेन को एसडीओपी बाड़ी, दिनेश सिंह परिहार नपुअ छतरपुर को उपुअ रेल इटारसी, राजा राम साहू उपुअ अजाग राजगढ़ को नपुअ छतरपुर, रंजीत सिंह राठौर पूर्व में हॉक फ्रेट से सहायक सेनानी 32 वीं वाहिनी बिसबल उज्जैन किया गया तबादला संशोधित करते हुए उपुअ पुम भोपाल, विपिन शिल्पी उपुअ हॉकफोर्स से सहायक सेनानी 32 वीं वाहिनी बिसबल उज्जैन, बसंत मिश्रा उपुअ पुम भोपाल से एसडीओपी सीहोर, अभिजीत रावत का पूर्व में हॉक फोर्स से सहायक सेनानी 6 वीं वाहिनी बिसबल जबलपुर किया गया स्थानांतरण निरस्त करते हुए उपुअ हॉक फोर्स, संजय कौल उपुअ पीटीएस इंदौर से सहायक सेनानी ग्वालियर, एसके एस तोमर एसडीओपी शिवपुरी को पिछोर, जीडी वर्मा का एसडीओपी कुरवई से पिछोर किया गया स्थानांतरण संशोधित करते हुए शिवपुरी, ब्लेडबिन एडवर्ड कर एसडीओपी सीहोर से नपुअ भोपाल, देवेन्द्र प्रताप सिंह उपुअ पुम भोपाल से नपुअ भोपाल, केशवसिंह गुर्जर सहायक सेनानी 17 वीं वाहिनी बिसबल भिंड से ग्वालियर, शेरसिंह भूरिया उपुअ पुम भोपाल से एसडीओपी कन्नौद, कुलवंत सिंह का उपुअ भोपाल से कन्नौद किया गया स्थानांतरण संशोधित करते हुए उपुअ पुम भोपाल पदस्थ किया गया है।

कदम लोक अभियोजन संचालनालय में पदस्थ

भोपाल। राज्य शासन ने एसएस कदम उप संचालक अभियोजन मप्र विशेष न्यायालय अधिनियम 2011 भोपाल को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से संयुक्त संचालक के पद पर पदोन्नत किया है। इसके साथ ही उन्हें लोक अभियोजन संचालनालय भोपाल में पदस्थ किया गया है। मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम 2002 के अधीन सुविधा सुनिश्चित करने हेतु निर्धारित रोस्टर के अनुसार पदोन्नति की प्रविष्टियां रोस्टर पंजी में दर्ज कर दी गई हैं। कमला उपाध्याय अवर सचिव गृह विभाग के हस्ताक्षर से जारी आदेश में कहा गया है कि मप्र लोक सेवा आयोग अनुसूचित जातियां-अनुसूचित जनजातियां और पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण अधिनियम 1994 तथा मप्र लोक सेवा आयोग पदोन्नति नियम 2002 के उपबंधों को और अधिनियम तथा नियमों के उपबंधों के प्रकाश में राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों का पालन किया है तथा उसे नियोजकों को उक्त अधिनियम की धारा-6 उपधारा-1 के उपबंधों का पूर्ण संज्ञान है।



पाकिस्तान को अमेरिका घोषित कर सकत था आतंकवाद का प्रायोजक देश

वाशिंगटन। पाकिस्तान 90 के दशक के आखिर में इस डर से आतंकी संगठन हकत-उल-अंसार को समर्थन देने से पीछे हट गया था कि संगठन को समर्थन देने से

बड़ा खुलासा

अमेरिका उसे आतंकवाद के प्रायोजक देशों की सूची में डाल सकता है। पाकिस्तान ने 90 के दशक में भारत के खिलाफ छत्र युद्ध के लिए इस संगठन का इस्तेमाल किया था। सीआईए की हाल ही में सार्वजनिक की गई एक गोपनीय रिपोर्ट में यह बात कही गई है। सीआईए ने अगस्त 1996 की अपनी रिपोर्ट

में इस बात को स्वीकार किया है कि हकत-उल-अंसार ने कश्मीर और मई 1996 में लाजपत नगर बाजार में हुए बम

विस्फोट समेत भारत के अन्य हिस्सों में कई आतंकवादी हमलों को अंजाम देने में भूमिका निभाई थी।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी देता था बड़ी आर्थिक मदद

कुछ कूटनीतिक रिपोर्टों का हवाला देते हुए सीआईए ने कहा कि आईएसआई ने हरकत को प्रति माह कम से कम 30,000 डॉलर और संभवतः अधिकतम 60,000 डॉलर की मदद भी मुहैया कराई। सीआईए ने रिपोर्ट के संपादित संस्करण हकत-उल-अंसार - पश्चिमी और पाकिस्तानी हितां को बढ़ता खतरा को जून में सूचना की स्वतंत्रता कानून (एफओआई) के तहत अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किया. एफओआई भारत के सूचना का अधिकार कानून के समान है।

आडवाणी के बिना शुरु हुई आरएसएस-बीजेपी की बैठक

विहिप ने पहले ही दिन उठाया राम मंदिर का मुद्दा

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की तीन दिवसीय समन्वय बैठक बसंत कुंज इलाके के मध्याह्न में शुरू हुई। तीन दिन तक चलने वाली इस बैठक की शुरुआत में ही विश्व हिंदू परिषद ने राम मंदिर का मुद्दा उठाया, विहिप नेताओं ने सरकार से कहा कि राम मंदिर के मुद्दे पर लोगों के बीच गलत मैसेज जा रहा है। खास बात यह है कि बीजेपी के वरिष्ठ नेता व मार्गदर्शक मंडल के सदस्य लालकृष्ण आडवाणी बैठक से नदारद दिखे। इस बैठक में मोदी सरकार के तीन दिग्गज राजनाथ सिंह, अरुण जेटली व सुप्रभा स्वराज पहुंची हैं। पीएम नरेंद्र मोदी खुद तीसरे दिन यानी शुक्रवार को बैठक में शामिल होंगे। यह बैठक कई मायनों में अहम है। बिहार विधानसभा चुनाव, संसद में लटकते नरेंद्र मोदी सरकार के सुधारवादी विधेयक जीएफटी, भूमि



संशोधन, रियल एस्टेट आदि को लेकर यह अहम है। इस बैठक में मोदी सरकार के तीन दिग्गज राजनाथ सिंह, अरुण जेटली व सुप्रभा स्वराज पहुंची हैं। पीएम नरेंद्र मोदी खुद तीसरे दिन यानी शुक्रवार को बैठक में शामिल होंगे। सूत्रों के अनुसार, संघ नेताओं ने सरकार के तीनों

शीर्ष मंत्रियों को स्पष्ट कर दिया कि वन रैंक, वन पेंशन पर जल्द निर्णय लिया जाना चाहिए, क्योंकि सैन्य कर्मियों के लेबे समय से हड़ताल पर होने होने से सरकार की छवि प्रभावित हो रही है। ध्यान रहे कि चुनाव में भाजपा ने इसका वादा भी किया था।

पीएम मोदी होंगे शामिल

संघ की इस अहम समन्वय बैठक में भाजपा के सभी बड़े नेताओं व शीर्ष मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। लेकिन पार्टी के पितृ पुरुष रहे लालकृष्ण आडवाणी को न्योता नहीं भेजा गया है। ऐसे में वे बैठक में शामिल नहीं होंगे. संघ प्रमुख मोहन भागवत की मौजूदगी वाली इस बैठक में भाजपा अध्यक्ष अमित शाह लगभग हर सत्र में मौजूद रहेंगे. वहीं, पार्टी के प्रमुख नेता व बड़े मंत्री अलग-अलग सत्र में मौजूद रहेंगे. पार्टी के बड़े नेताओं को संघ जहां सांगठनिक टॉस्क देगा, वहीं मंत्रियों को उनके विभाग के कामकाज को टॉस्क दिया जायेगा।

इनकम टैक्स रिटर्न की तारीख बढ़ी

नईदिल्ली। इन दिनों इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। जी हां, क्योंकि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से हाल ही रिटर्न की तारीख बढ़ा दी गई है। दरअसल, वित्त मंत्रालय की ओर से इनकम टैक्स अदा करने वालों को बड़ी राहत दी गई है। सरकार ने टैक्स रिटर्न भरने की तारीख बढ़ाकर 7 सितंबर कर दी है।

अवैध संबंध के चलते की थी हत्या ● चार माह पुराना मामला ● कलियासोत डेम में मिली युवक की लाश

भोपाल। भोपाल के कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित राजीव नगर, कोटरा में अवैध संबंधों के संदेह में पांच आरोपियों ने मिलकर युवक की हत्या कर दी थी। हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने लाश कलियासोत डेम के पास छोड़ दी थी। पुलिस ने सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए मामले में जुड़े पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सब ईस्पेक्टर मांडी के अनुसार कमला नगर में रहने वाले गणेश प्रजापति 3 मार्च को सुनहर करीब 11 बजे मछली पकड़ने कलियासोत डेम गया था। इस दौरान उसने इमली वाली मस्जिद के पास कलियासोत

डेम में एक लाश देखी। पानी के बाहर सिर्फमुंडी दिखने के बाद उसने कटौल रूम को सूचना दी थी। कटौल रूम की सूचना पर कमला नगर पुलिस की टीम एम्बुसएल की टीम के साथ मौक पर पहुंची थी। जहां गोताखोरों को मदद से लाश निकाली गई। मृतक की तलाशी लेने पर पुलिस को उसके जब से एक मोबाइल नंबर की पत्ती मिली थी। इसके बाद उस नंबर पर कॉल किया गया। कॉल रिसीव करते ही युवक भी मौक पर पहुंच गया। जहां उसने मृतक की पहचान राजेश पिता मांगोनाथ सपेरा राजीव नगर कोटरा सुल्तानाबाद के रूप में की गई। घटना के बाद परिजनों को

सूचना दी गई थी। परिजनों ने बताया कि राजेश तीन दिनों से लापता था। मौक पर शराब की बोतल मिलने से यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि मरने से पहले मृतक के साथ आरोपियों में किसी ने शराब पी होगी। हालांकि मामले में पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। अभी मामले में गिरफ्तार आरोपों रामपाल, जकीना, ज्योत्सना, विनेश और गुरु को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह भी बताया जा रहा है कि ज्योत्सना का पति विनेश को संदेह था कि राजेश सपेरा से उसकी पत्नी का अवैध संबंध था।

बैंक, बीमा, आयकर सब रहे बंद

भोपाल। प्रदेश में ट्रेड यूनिटों की हड़ताल की वजह से बैंक, बीमा और आयकर के अलावा कोयला खदानों और रक्षा फैक्ट्रियों में भी कामकाज प्रभावित हुआ है। प्रदेश के कई शहरों में बसें रोकने की वजह से भी आम लोगों को सबसे ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ा है प्रदेश के चार बड़े शहरों में हड़ताल की वजह से हजारों करोड़ का कारोबार प्रभावित होने का अंदेश है। हड़ताल का असर भोपाल

सहित विदिशा में भी देखने को मिला। बैंक व दीगर केन्द्रीय दफ्तरों में जहां कामकाज ठप रहा, वहीं निजी बसों के नहीं चलने से लोग परेशान हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में तो हड़ताल का दोहरा असर पड़ रहा है। यहां ट्रांसपोर्ट व्यवसायों ने भी हड़ताल कर रखी है। जिसके चलते रोजमर्रा के कामकाज व स्कूल-कॉलेज जाने वाले परेशान का सामना करना पड़ा। भोपाल में कई जगहों पर बसों को रोकने की

वजह से टक्कराव की स्थिति बनी तो इंदौर में बंद समर्थकों ने रैली निकालकर अपना विरोध जताया। शहडोल में कोयला खदानों में मजदूर काम पर नहीं आए। वहीं जबलपुर में रक्षा फैक्ट्रियों में काम करने वाले कर्मचारियों ने भी हड़ताल का समर्थन किया है। जबलपुर की पांचों केन्द्रीय सुरक्षा संस्थानों में भी हड़ताल का असर बुधवार सुबह से देखा गया। केन्द्रीय सुरक्षा संस्थान ओएफके, व्हीएफके, जीसीएफ , जीआईएफ और सीओडी में बुधवार को मजदूरों ने हड़ताल करते हुए काम को पूरी तरह से ठप कर दिया। जिसके चलते रक्षा मंत्रालय को भी हजारों करोड़ का नुकसान होने की आशंका है।